



कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम ও রোজগার মন্ত্রক, ভারত সরকার)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)



सत्यमेव जयते

ক.রা.বি.-স্না. চি. বি.ও গবেষণা সংস্থান, ক.রা.বি.নি- চিকিৎসা মহাবিদ্যালয়
ডায়মন্ড হারবার রোড, জোকা, কোলকাতা- 700104
ক. রা. বি. - স্না. চি. বি. এর অনুসন্ধান সংস্থান, ক. রা. বি. নি. আয়ুর্বিজ্ঞান মহাবিদ্যালয়
ডায়মন্ড হারবার রোড, জোকা, কোলকাতা- 700104
ESI- PGIMSR & ESIC Medical College, Joka
Diamond Harbour Road, Kolkata- 700104
ফোন/Tel: (033) 2950 0731, ই-মেল/Email: deanpgi-joka.wb@esic.nic.in
Website: www.esic.nic.in

412 (Dean Joka)/UG MBBS/Notice/2016/Vol.i

Date-22.08.2023

NOTICE

Subject:- Invitation to White Coat Ceremony- 2023-24 batch.

White Coat Ceremony is a solemn occasion that marks the entry of new medical students in the medical profession. This ceremony will be witnessed by Dean, Faculties and other members of this institution.

Parents of the new academic batch 2023-24 are the special invitees for this function and they are cordially invited with their respective wards to grace this occasion with their presence and blessings.

Date of the ceremony:- 01.09.2023

Time of the ceremony:- 09:30 a.m. onwards.

Venue of the ceremony:- 5th Floor (Biochemistry L.T.), Academic Building.

New students are also instructed to bring their white coat and printout of the attached Maharshi Charak Shapath for the ceremony.

**Prof. Chandan Chatterjee
Registrar Academic**

অকাদেমিক রেজিস্ট্রার/Registrar Academic,
ক. রা. বি. - স্না. চি. বি. এর অনুসন্ধান, ক. রা. বি. নি. অ. ম. স্না.
ESI- PGIMSR & ESIC Medical College and
সি. এ. স্না. চি. বি. এর, জোকা, কোলকাতা- 700104
ESIC Hospital & ODC (EZ), Joka, Kolkata- 700104

स्वास्थ्य सेवा!



न त्वहं कामये राज्यम् न स्वर्गम् नापुनर्भवम्। कामये दुःखतप्तानां प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्।।



राष्ट्र सेवा!!



महर्षि चरक शपथ

हे द्विज! पूर्वाभिमुख होकर पवित्र अग्नि एवं विद्वानों की साक्षी में प्रतिज्ञा करो कि

मैं अपने अध्ययनकाल में संयमी, सात्विक एवं अनुशासित जीवन व्यतीत करूँगा। गुरु के अधीन होकर पूर्ण समर्पित भाव से गुरु के कल्याण तथा प्रसन्नता हेतु पुत्रवत् आचरण करूँगा। मेरा व्यवहार सतर्कतापूर्ण, सेवापरायण तथा उद्दण्डता और ईर्ष्या से रहित होगा। मैं अपने आचरण में संतोषी, आज्ञापालक, विनम्र, निरन्तर मननशील एवं शांतियुक्त रहूँगा। गुरु के अभीष्ट लक्ष्य के प्रति सम्पूर्ण सामर्थ्य से प्रयत्नशील रहूँगा। चिकित्सक के रूप में अपनी सफलता, यश एवं अर्थप्राप्ति के लिए मैं सदैव अपनी विद्या का उपयोग प्राणी मात्र के कल्याण हेतु करता रहूँगा।

अत्यधिक व्यस्तता एवं विश्रांति की अवस्था में भी मैं दिन-रात रोगी की सेवा हेतु आत्मवत् तत्पर रहूँगा। निज स्वार्थ एवं अर्थलाभ के लिए किसी रोगी का अहित नहीं करूँगा तथा परस्त्री एवं पराये धन की कामना नहीं करूँगा। अनैतिकता मेरे विचारों में भी नहीं आयेगी।

मेरी वेशभूषा शालीन एवं प्रभावशाली होगी तथा मेरा व्यक्तित्व प्रेरित करने वाला होगा। मैं सदैव मधुर, पवित्र, उचित, आनन्दवर्धक, सत्य, हितकारी तथा विनम्र वाणी प्रयुक्त करूँगा तथा अपने पूर्व अनुभवों का उपयोग करते हुए, ज्ञान के विकास एवं नवीनतम उपलब्धि के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहूँगा।

किसी स्त्री की चिकित्सा उसके पति अथवा आत्मीय की उपस्थिति में ही करूँगा। रोगी के परीक्षण के समय मेरा विवेक, ध्यान एवं इन्द्रियाँ रोग निदान हेतु केन्द्रित होगी।

मैं रोगी या उसके घर में संबंधित गोपनीय बातों का प्रचार नहीं करूँगा। मैं मरणासन्न रोगी की विवेचना नहीं करूँगा, क्योंकि वह रोगी या उसके आत्मीयजनों को आघातकारक हो सकती है।

मैं अधिकृत विद्वान होते हुए भी अपने ज्ञान की अभिव्यक्ति अहंकार के रूप में नहीं करूँगा, क्योंकि इससे रोगी के स्वजन अपमानित अनुभव कर सकते हैं।

NATIONAL MEDICOS ORGANISATION

BRIEF TRANSLITERATION OF MAHARSHI CHARAK SHAPATH

- ❖ during the period of study, I shall live a disciplined life with my teachers and peers. My action shall be guarded, service oriented and free from indiscipline and envy. In my dealings I shall be patient, obedient, humble, constantly contemplative and calm. I shall aim my full efforts and ability towards the desired goal of my profession.
- ❖ As a physician, I shall always use my knowledge for welfare of mankind
- ❖ I shall always be ready to serve patients, even if I am extremely busy and tired. I shall not harm any patient for the sake of monetary or selfish gains, nor shall I entertain a desire for lust, greed or wealth. Immortality shall not emerge even in my thoughts.
- ❖ My dressing shall be decent yet impressive and inspiring confidence. My conduct shall always be appropriate, Pleasant, truthful, beneficial, and polite. I shall use my experience in actions appropriate for that time and place.
- ❖ I shall constantly endeavor to accomplish/keep updated with the latest developments in the field and widen my knowledge.
- ❖ I shall treat patient of gender other than mine in the presence of relatives or attendants.
- ❖ When examining a patient, my discretion, attention, and senses shall be concentrated on the cure of the disease.
- ❖ I shall not divulge the confidentiality related to the patient or family inappropriately.
- ❖ Although an authority(in my subject). I shall not display my knowledge and skill with arrogance.